ikB

10 खुद को जानें

आओ हम सब खुद को जानें,
भला–बुरा अपना पहचानें।
देखो मेरा तन है एक,
किंतु इसके अंग अनेक।

एक चेहरा और दो हैं कान,
सुनते सब कुछ देकर ध्यान।
दो आँखें इतनी अनमोल,
भले बुरे को देती तोल।

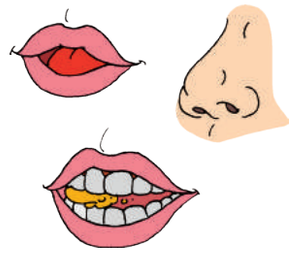

मुँह से करते प्यारी बात,
नाक साँस लेती दिन–रात।
दाँत चबाते हैं भोजन,
ताकत पाता जिससे तन।

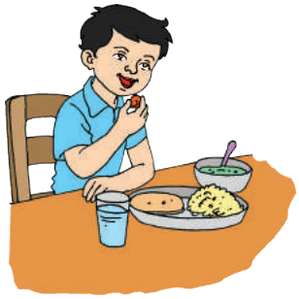

रसना देती उनका साथ,
खाकर रोटी, दाल और भात।
माथा, ठोड़ी, होंठ और गाल,
सिर पर चमकें काले बाल।

दो हाथों ने किया कमाल,
दो पैरों की सुंदर चाल।
जिनका सुंदर स्वच्छ शरीर,
चमकेगी उनकी तकदीर।

अभ्यास vH;kl

1- vkb,] 'kCnk d vFk tku&

- खुद – अपने आप
- तन – शरीर
- अंग – शरीर का भाग
- ताकत – बल
- रसना – जीभ
- स्वच्छ – साफ
- बहुत – अधिक

2- dfork l &

(क) कविता में अनमोल अंग किसे कहा गया है?

____

(ख) भोजन चबाकर खाने से क्या–क्या लाभ होते हैं?

____

(ग) हम साँस किससे लेते हैं?

____

3- vki dh ckr&

(क) प्रातः उठकर आप क्या–क्या करते हैं?

(ख) शरीर के अंगों की साफ–सफाई के लिए आप क्या करते हैं? क्या इसके लिए अपने माता–पिता की भी सहायता लेते हैं?

(ग) आँखें खुली होने पर तो आप सभी चीजों को पहचान लेते हैं परंतु आँखें बंद करने पर आप क्या–क्या पहचान सकते हैं?

4- i<] ckyk vkj fy[k&

आँखें	______________	अनमोल	______________
मुँह	______________	सुंदर	______________
अंग	______________	शरीर	______________

5- feyku dj&

नाक	देखना
कान	सुनना
आँख	चखना
पैर	काम करना
जीभ	चलना
हाथ	चबाना
दाँत	सूँघना

6- jx Hkj&

प्रत्येक गुब्बारे में लिखे वर्ण को पहचान कर बताया गया रंग भरें–

क्ष – लाल

त्र – हरा

ज्ञ – पीला

श्र – नीला

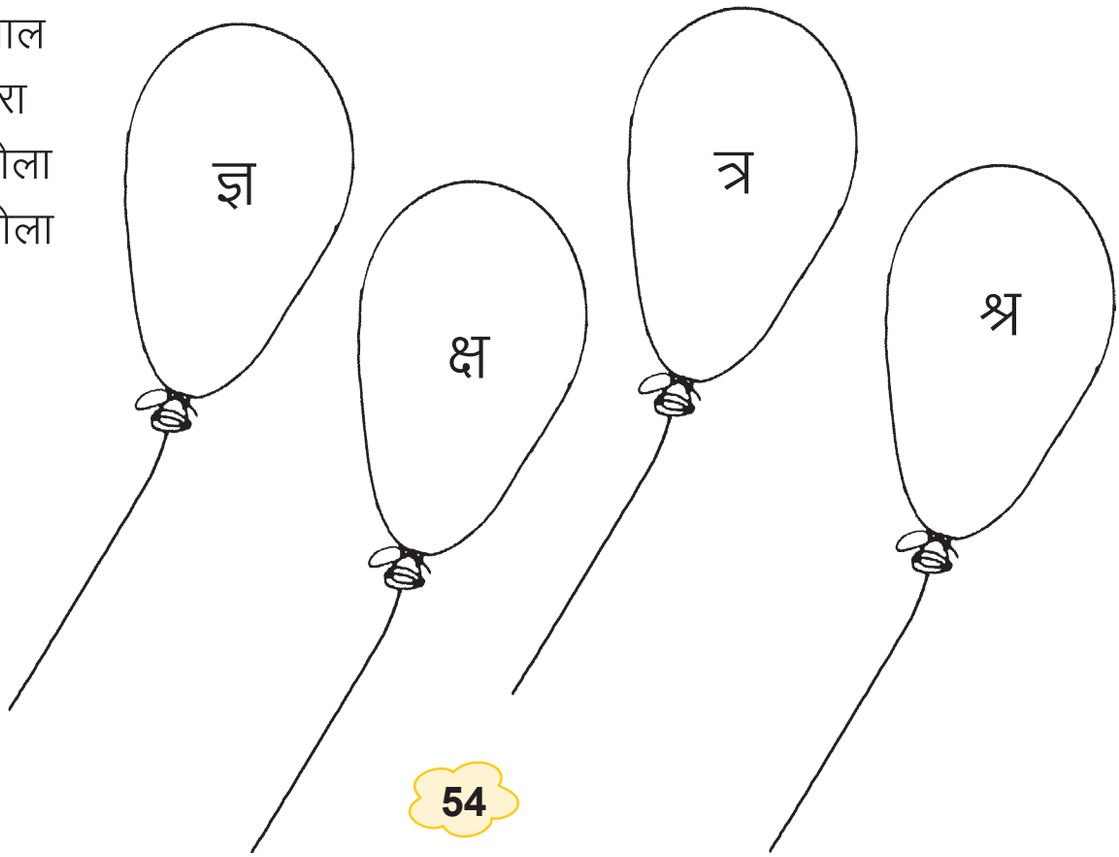

vkius fdruk lh[kk

1- lgh 'kCn NkaVdj fy[k&

- गोलाई गुलाई ____________
- कढ़ाई कड़ाई ____________
- ओषधि ओसधि ____________
- सवतंत्र स्वतंत्र ____________

2- lgh vFkZ ij xksyk yxkb,&

- उत्सव – त्योहार/खुशी
- निराला – नीरस/अनोखा
- प्रतिदिन – दूसरे दिन/हररोज
- स्वच्छ – साफ़/अच्छा

3- uhps fy[ks okD;ka'kksa ds fy, ,d 'kCn fy[k&

- खेती करने वाला ____________________
- लकड़ी का सामान बनाने वाला ____________________

4- lgh 'kCn dk iz;ksx djrs gq, [kkyh LFkku Hkjs&

- मोर नाचता है, ___________ नाचती है।
- लड़का खेलता है, ___________ खेलती है।

5- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fy[k&

- भोलू को किसका पंख मिला?

  _____

- पेड़ों से मिलने वाली दो चीज़ों के नाम लिखें।

  _____

- 'खुद को जानें' कविता में अनमोल अंग किसे बताया गया है?

  _____

6- lgh dFku d lkeu ¼✓½ o xyr d lkeu ¼✗½ dk fu'kku yxk,&

- वैशाली ने अपनी बहन को पत्र लिखा। ☐
- स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। ☐

7 *vPNk* dk myVk 'kCn gksrk g& *cjk*A bud myV vFk oky 'kCn fy[k&

- मित्र _____
- दिन _____

हँसी के गुलगुले (कुछ और पढ़ें)

1. माँ – देखो मोहन, तुम हर काम अपनी इच्छा से कर दिया करते हो। भविष्य में तुम काम करने से पहले पूछ लिया करो।

   अच्छा माँ!

   कुछ देर बाद मोहन कमरे में आकर बोला–माँ! बिल्ली दूध पी रही है। क्या करूँ? क्या उसे हटा दूँ?

2. मिठाई वाला – आलू लो, आलू लो।

   एक आदमी – अरे, आप तो जलेबी बेच रहे हो! फिर ये आलू लो, आलू लो क्यों बोल रहे हो?

   मिठाई वाला – अरे साहब! यदि मैं जलेबी लो, जलेबी लो कहूँगा तो मक्खियाँ नहीं आ जाएँगी!

3. अध्यापक : उल्लू कहाँ रहता है?

   बच्चा : घोंसले में।

   अध्यापक : गधा!

   बच्चा : धोबी के घर।

   अध्यापक : बेवकूफ!

   बच्चा : यह कौन सा जानवर है, सर? मुझे नहीं मालूम।

4. माँ – रात को अलमारी में दो लड्डू रखे थे, एक कैसे रह गया?

   बेटी – अंधेरे के कारण मुझे दूसरा दिखाई नहीं दिया।

5. दीदी : बताओ मुन्नी, गंगा कहाँ से निकलती है?

   मुन्नी : दीदी, वह अपने घर से निकलती है और सीधे स्कूल चली जाती है।